

अविचारी वि. (तत्.) विचारहीन, अविवेकी, कुविचारी, उचित-अनुचित का विचार न रखने वाला, नासमझ बिलो. सुविचारी।

अविचार्य वि. (तत्.) जिस पर विचार करने की आवश्यकता न हो, जो विचार के योग्य नहीं हो।

अविच्छिन्न वि. (तत्.) 1. अविच्छेदित 2. अविभक्त 3. जो टूटा हुआ न हो, अटूट 4. लगातार बिलो. विच्छिन्न।

अविच्छेद पुं. (तत्.) विच्छेद न होने की स्थिति, निरंतरता वि. जिसका विच्छेद न हो, अविच्छिन्न बिलो. विच्छेद।

अविच्युत वि. (तत्.) 1. जो अपने स्थान से भ्रष्ट न हो 2. शाश्वत, नित्य।

अविजित वि. (तत्.) जो जीता न जा सका हो, जिसे कोई हरा न सका हो, जिसपर जीत हासिल न हुई हो 1. खेल. (क्रिकेट में एकदिवसीय मैच की समाप्ति या टेस्ट मैच की पारी समाप्त होने पर खेल रहा बल्लेबाज) जो विपक्षी दल द्वारा आउट न किया जा सका हो, not out वह दल जो अन्य दलो को पराजित करता हुआ शीर्ष स्थान प्राप्त कर ले।

अविजेय वि. (तत्.) जिसे विजित न किया जा सके, जिसे जीतना असंभव हो।

अविज्ञ वि. (तत्.) 1. अशिक्षित, विद्वत्ताहीन 2. अनजान, अनभिज्ञ, अनाड़ी बिलो. विज्ञ, सुविज्ञ।

अविज्ञता स्त्री. (तत्.) अज्ञान, अनजानापन, अनभिज्ञता बिलो. विज्ञता, सुविज्ञता।

अविज्ञात वि. (तत्.) 1. जिसे अच्छी तरह से न जाना गया हो 2. जो जाना-समझा न हो, अनजाना, अज्ञात 3. संदिग्ध, अस्पष्ट 4. गुप्त 5. परमेश्वर, विष्णु बिलो. विज्ञात, सुविज्ञात।

अविज्ञाता वि. (तत्.) 1. जो अच्छी तरह जानकारी न रखता हो, जो विज्ञ न हो 2. जिससे बढ़कर ज्ञान कोई न रखता हो, परमात्मा।

अविज्ञेय वि. (तत्.) 1. जिसे जाना न जा सके, समझ में न आने वाला परमात्मा 2. अप्रकट 3. गुह्य 4. परमात्मा, परमेश्वर।

अविडीन पुं. (तत्.) पक्षियों की सामान्य उड़ान।

अवितथ वि. (तत्.) 1. जो वितथ अर्थात् झूठ या मिथ्या न हो, सच्चा 2. सकल, संपूर्ण।

अवित्त वि. (तत्.) 1. वित्त-विहीन, धनहीन 2. उपलब्ध।

अवित्ति स्त्री. (तत्.) अवित्त होने का भाव या स्थिति, गरीबी।

अविद वि. (तत्.) 1. अनजान 2. मूर्ख।

अविदग्ध वि. (तत्.) 1. अधजला 2. अधकचरा 3. जो जला न हो 4. जो विदग्ध या बुद्धिमान न हो, अपंडित, अशिक्षित 5. मूर्ख, गंवार।

अविदित वि. (तत्.) 1. जो विदित न हो, अज्ञात, अप्रकट 2. गुप्त पुं. परमेश्वर बिलो. विदित।

अविदूर वि. (तत्.) जो दूर न हो, निकटस्थ पुं. निकटता, समीपता।

अविद्ध वि. (तत्.) जो बेधा न गया हो, जिसमें छिद्र न किया गया हो।

अविद्य वि. (तत्.) 1. अशिक्षित, विद्याविहीन, अनपढ़, पुं. 1. मूर्ख 2. भ्रम, माया।

अविद्यमान वि. (तत्.) जो विद्यमान न हो, जो सामने न हो, अप्रकट, अनुपस्थित, जो न हो बिलो. विद्यमान।

अविद्या स्त्री. (तत्.) 1. विद्या या (सम्यक्) ज्ञान का अभाव 2. अज्ञान (योग के वर्णित पाँच क्लेशों में से एक), अविवेक, मिथ्या ज्ञान 3. मोह, माया 4. सांख्य दर्शन के अनुसार प्रकृति।

अविद्याकृत वि. (तत्.) अविद्या से उत्पन्न, अविद्याजन्य।

अविद्याच्छन्न वि. (तत्.) जो अविद्या से आच्छन्न या घिरा हुआ हो।

अविद्याजन्य वि. (तत्.) दे. अविद्याकृत ।